Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

D—6707

PAPER—III
ARCHAEOLOGY

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

ARCHAEOLOGY

पुरातत्व विज्ञान

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

Culturally, the period making the advent of iron (first half of the first millennium B.C.) was coeval in the north with the Painted Grey Ware in the west (Punjab, Haryana, Rajasthan and Western Uttar Pradesh), and the black-and-red ware in the east (eastern Uttar Pradesh, Bihar and West Bengal). Not withstanding the standardized table ware character of the former ware, no urban pattern is recognizable in the material culture represented by it. The material equipment of the people using this ware was none too rich. The houses were made of adobe. A few copper or iron objects are the only indications of the use of metal. The impact of iron does not appear to have brought about any catalytic change in the economy of the people, nor contributed substantially to the specialization of crafts. The social and economic patterns remained rural. This was the period when Janapadas or chiefdoms with fairly well-defined boundaries were being formed. A remarkable chronological proximity is noticed between the beginning of the Painted Grey Ware and the later Vedic Age. There can, therefore, be no reasonable doubts in ascribing this ware to later Aryans.

सांस्कृतिक रूप में, लोहे के आगमन का काल (ईसा पूर्व प्रथम सहस्त्राब्दी का पूर्वाद्ध) उत्तर के उन धूसर रंजित भांडो (पात्रों) के युग का समकालीन था, जो पश्चिम के (पंजाब, हरियाणा, राजस्थान

और पश्चिमी उत्तर प्रदेश) तथा पूर्व के कृष्ण-लोहित भांडों (पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल) के युग थे। पूर्व निर्मित भांडों के मानक खाद्-ग्रहण पात्र (टेबुलवेयर) की विशेषताओं के बावजूद इसका प्रतिनिधित्व करने वाली भौतिक संस्कृति के अन्य अवशेषों में नागरीय नमूनों की पहचान संभव नहीं हैं। इस भांड का प्रयोग करने वाले लोगों के भौतिक उपकरण की समृद्ध नहीं थे। घरे कच्ची ईंटो से निर्मित होते थे। तांबे तथा लोहे की कुछ वस्तुओं के प्रयोग से ही धातु के प्रयोग का संकेत मिलता है। उस युग के लोगों की अर्थव्यवस्था में लोहे के प्रभाव से कोई उत्प्रेरक परिवर्तन नहीं दिखलाई पडता है न ही हस्तशिल्पों की विशेषताओं में कोई स्थायी परिवर्तन दीख पड़ता है। सामाजिक तथा आर्थिक प्रतिमान ग्राम्य-रूप में बने रहे। इसी अवधि में जनपदों तथा मुखिया-प्रशासन की सीमायें एवं मर्यादायें निर्धारित हो रही थीं। रंजित धूसर भांड के आरंभिक काल में तथा उत्तर वैदिक काल के मध्य एक उल्लेखनीय कालानुक्रम की समरसता दिखलाई पड़ती है। अत: नि:संदेह रूप से यह कहा जा सकता है कि ये भांड उत्तरवर्ती आर्यों के द्वारा ही निर्मित थे।

1. What was the impact of iron technology to the make up of Painted Grey Ware culture ?

धूसर रंजित मृदभांड संस्कृति के निर्माण में लौह-प्रौद्योगिकी का क्या प्रभाव था?

2. At the time of Painted Grey Ware the territories of the Janapadas were defined. Did the capitals of these states developed into urban centres ?

धूसर रंजित मृदभांड के काल में जनपदों की सीमायें निर्धारित हो गई थी – क्या इन राज्यों की राजधानी नगरीय केंद्रों के रूप में विकसित हो गई थी ?

3. Did the Painted Grey Ware horizons correspond chronologically with the later group of Aryan migration ?

क्या धूसर रंजित मृदभांडों का ज्ञानक्षेत्र परवर्ती आर्य समूह के स्थानांतरण के समकालीन था ?

4. What was the relationship of dispersal pattern of the Painted Grey Ware with the Black-and-Red ware ?

रंजित धूसर मृदभांड तथा कृष्ण लोहित मृदभांड के छितराव प्रतिमान के बीच क्या संबंध है?

5. What were the main characteristics of the material remains of Painted Grey Ware horizons ?

धूसर रंजित मृदभांड ज्ञानक्षेत्र के भौतिक अवशेषों के प्रमुख अभिलक्षण क्या हैं?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. What is the aim of archaeology ?

पुरातत्व का क्या उद्देश्य है?

7. What do you know about absolute dating ?
निरपेक्ष तिथिक्रम से आप क्या समझते हैं?

8. What are the divisions of Quaternary Period ?
चतुर्थक काल के क्या भाग हैं?

9. What do you understand by hunting and gathering of early Man of Europe ?
यूरोप के प्रारम्भिक मानव के शिकार तथा खाद्य-संग्रह से आप क्या समझते हैं?

10. Mention the Geographical distribution of Harappan culture in India.
भारत में हड़प्पा संस्कृति के भौगोलिक विस्तार को लिखिए।

11. What do you understand by the Dolmenoid type of burial ?
डोलमेनॉएड प्रकार के समाधि से आप क्या समझते हैं?

12. What are the Main features of a cave monastry ?
गुहा मठ के मुख्य लक्षण क्या हैं?

13. What do you know about Vessara style of architecture ?
वेसर प्रकार के स्थापत्य कला के बारे में आप क्या जानते हैं?

14. What do you know about Ellora Caves ?
एलोरा गुहा के बारे में आप क्या जानते हैं?

15. Mention the importance of Chola bronze sculptures.
चोल कांस्य मूर्तिकला के महत्व को लिखिए।

16. Mention the importance of Junagadh inscription of Rudradaman.
रुद्रदामन के जूनागढ़ अभिलेख के महत्व को लिखिए।

17. What is Punch Marked coin ?

आहत मुद्रा क्या है?

18. Bring out the importance of the Gold coins of Kanishka I.

कनिष्क I की स्वर्ण मुद्राओं के महत्व को लिखिए।

19. What do you know about primary sources ?
शोध के लिए मूल-स्रोत से आप क्या समझते हैं?

20. What is the aim of research ?
शोध का उद्देश्य क्या है?

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

21. Discuss in brief the hydrological and botanical evidence for climatic changes during the Quaternary Period in the North-West India.

उत्तर पश्चिम भारत में चतुर्थक काल में जलवायु परिवर्तन के लिए जलीय तथा वानस्पतिक प्रमाण का संक्षेप में विवेचना कीजिए।

22. What were the ecological factors for the distribution of Mesolithic sites in India ?

भारत में मध्य पाषाणिक पुरास्थल के विस्तार के लिए क्या पारिस्थितिक कारण थे?

23. What do you know about the Neolithic culture of South India ?

दक्षिण भारत की नवपाषाणिक संस्कृति के बारे में क्या जानते हैं?

24. Discuss the different tools of Palaeolithic culture and technique applied in their making.

पुरापाषाण संस्कृति के विभिन्न औज़ारों तथा इनके बनाने की तकनीक की विवेचना कीजिए।

25. Discuss the features of Bhimbedka that throws Light on the early cultures of Central India.

भीम बैठका के लक्षणों की विवेचना कीजिए जो मध्य भारत की प्रारम्भिक संस्कृतियों पर प्रकाश डालती हैं।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

21. Discuss the importance of Bhagwanpur site in the contest of the recent archaeological excavations.

आधुनिक पुरातात्विक उत्खननों के संदर्भ में भगवानपुर पुरास्थल के महत्व की विवेचना कीजिए।

22. What light the copper hoard throws on the contemporary society and culture.

ताम्र निधि से समकालीन समाज और संस्कृति पर किस प्रकार का प्रकाश पड़ता है।

23. Discuss the concept of Cradle of Indus Civilization.

सिंधु-सभ्यता की उत्पत्ति की विवेचना कीजिए।

24. Discuss in brief the features responsible for the disappearance of the first urbanization in India.

भारत के प्रथम नगरीकरण के विलुप्त होने के कारणों की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

25. Discuss the importance of Belan Valley in the light of recent excavations carried out by Allahabad University.

बेलन घाटी के महत्व की विवेचना इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा किए गए उत्खनन के प्रकाश में कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

21. Discuss typology and cultural significance of the Northern Black Polished Ware.
उत्तरी कृष्ण परिमार्जित मृदभाण्डों के प्रकारों तथा सांस्कृतिक महत्व की विवेचना कीजिए।

22. Give an account of the Kaushambi excavations.
कौशाम्बी उत्खनन का विवरण दीजिए।

23. Examine the importance of Rajghat excavations.
राजघाट उत्खनन के महत्व का परीक्षण कीजिए।

24. Trace the expansion of urban settlements during the Kushana Period.
कुषाण काल में नगरीय आवासस्थलों के विस्तार का रेखांकन कीजिए।

25. Discuss main features of settlement pattern based on excavated sites of Gupta period.
उत्खनित स्थलों के आधार पर गुप्त कालीन समिक्षों के मुख्य लक्षणों का विवेचन करो।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

21. Give an account of the Indus Valley architecture.
सिंधु घाटी के नगर योजना का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

22. Describe the Stupa No.I at Sanchi.
साँची के स्तूप संख्या I का वर्णन कीजिए।

23. Discuss the development of rock cut architecture in India.

भारत में शैल गुहा वास्तू के विकास की विवेचना कीजिए।

24. Describe the characteristic features of the Mauryan Capitals.

मौर्य कालीन स्तम्भ-शीर्षों के प्रमुख तत्वों का वर्णन कीजिए।

25. Write a note on the Ajanta Paintings.

अजन्ता की चित्रकला पर टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

21. Write a note on the origin of the Kharoshthi Script.

खरोष्ठी लिपि की उत्पत्ति पर टिप्पणी लिखिए।

22. Discuss the importance of the Epigraphy to study the political history of India.

भारत के राजनीतिक इतिहास के अध्ययन में पुरालेखीय शास्त्र के महत्व की विवेचना कीजिए।

23. Evaluate the contents of the Ashokan rock edict X.

अशोक के दसवे शिला लेख की विषय वस्तु का मूल्यांकन कीजिए।

24. Critically examine the historical significance of the Allahabad Pillar inscription of Samudragupta.

समुद्रगुप्त के इलाहाबाद स्तम्भ अभिलेख के ऐतिहासिक महत्व का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

25. Write a note on the Satavahana coinage.

सातवाहन सिक्कों पर एक टिप्पणी लिखिए।

SECTION - IV
खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. (a) Critically examine the results of archaeological excavations carried out at Burzhom and Gufkaral in Potwar region. What light it throws on contemporary ecology of that region ?

पोतवार क्षेत्र के बुर्जहोम और गुफकराल के पुरातात्विक उत्खननों के परिणामों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। इससे समकालीन पारिस्थिति पर क्या प्रकाश पड़ता है?

OR / या

(b) Discuss the Pre-Harappan Culture in the Light of recent archaeological researches.

आधुनिक पुरातात्विक अनुसंधानों के प्रकाश में प्राग–हड़प्पा संस्कृति की विवेचना कीजिए।

OR / या

(c) Discuss the different factors, which helped the second urbanization in the Ganga-Yamuna Doab.

गंगा–यमुना दोआब में द्वितीय नगरीकरण के लिए विभिन्न कारकों की विवेचना कीजिए।

OR / या

(d) Discuss the main features of the Chaityagriha of the Deccan

दकन के चैत्यगृह के मुख्य लक्षणों की विवेचना कीजिए।

OR / या

(e) Discuss in brief the various theories propounded in respect of origin of Brahmi script and trace its evolution.

ब्राह्मी लिपि के उद्भव के लिए दिए गए विभिन्न मतों की विवेचना संक्षेप में कीजिए तथा इसके विकास का वर्णन कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....